

# ACHARYA SHREE SURENDRASURISHWARJI JAIN TATVA GYANSHALA

12, SHREYANSNATH SOCIETY, B/H DHARNIDHAR TEMPLE,  
GODAVARI ROAD, VASANA, AHMEDABAD-7

## Book Issue Slip

Member No. : 4169

Mobile Number : 8200186315

Receipt No. : S2504

Member Name : આગમ શાહ (લકી શાહ)

Total Issued : 27

Address : શુકન રેસીડેન્સી D-501

Issue Date : 15/06/2024

Last Date : 13/09/2024

| Sr No. | Vargank No. | Kruti Name                                         | Notes |
|--------|-------------|----------------------------------------------------|-------|
| 1      | SM01438     | જીવાત્તીવાભિગમ સૂત્રમ્ (ઉત્તરાર્ધ) વિવૃત્તિ        |       |
| 2      | SM00106     | વિપાક સૂત્ર (મૂલ અને ભાષાંતર ટીકા સહિત)            |       |
| 3      | SM00363     | દશ વૈકાલિક સૂત્ર                                   |       |
| 4      | SM01419     | પિંડનિયુક્તિ                                       |       |
| 5      | SM02337     | સમવાયંગ સૂત્ર                                      |       |
| 6      | SM02397     | આતુરપ્રત્યાખ્યાન સૂત્ર                             |       |
| 7      | SA12471     | જંબૂદ્વીપ પ્રશસ્તિ સૂત્ર                           |       |
| 8      | SA17538     | ગચ્છાચાર પયન્ના                                    |       |
| 9      | SA22251     | અનુયોગદ્વાર સૂત્ર-દ્વિતીય ભાગ (સટીક હિન્દી અનુવાદ) |       |
| 10     | SA19913     | જૈન મૂહૂર્ત એવં આયુર્વેદ વિજ્ઞાન                   |       |
| 11     | SA24818     | વહ્દધારણાયંત્ર એવં ધારણાગતિયંત્ર                   |       |
| 12     | SA28156     | આત્મોદ્ધાર Yatra                                   |       |
| 13     | SA08368     | સિદ્ધહેમચંદ્ર શબ્દાનુશાસનમ્ खंड-2 अध्याय-6-7-8     |       |

SM01438



SM00106



SM00363



SM01419



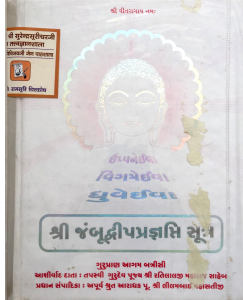
SM02337



SM02397



SA12471



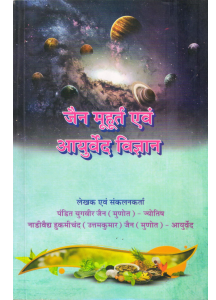
SA17538



SA22251



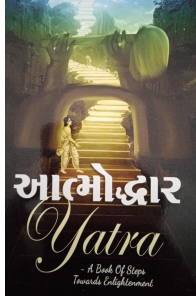
SA19913



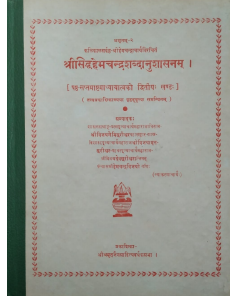
SA24818



SA28156



SA08368



SA - પુસ્તક વિભાગ, પાલ જ્ઞાનમંડાર, સુરત, SM - પ્રત વિભાગ, પાલ જ્ઞાનમંડાર, સુરત

**संस्थाना नियमो :**

- 1) संस्थाना पुस्तको फक्त मेम्बरने ज आपवामां आवशे.
- 2) पुस्तक 90 दिवसमां परत करवानुं रहेशे, कदाच वधारे समय राखवानुं थाय तो 90 दिवस बाद रिन्नु कराववु अनिवार्य छे.
- 3) पुस्तक फाटी के खोवाय जाय तो वाचके संस्था नक्की करे तेटलो दंड भरवानो रहेशे. दंडनी रकम पुस्तकनी छापेली किमत करता वधु होई शके छे.